

मियाँ-बीवी का रिश्ता

इंजील : 1 पतरस 3:1-12

[जिस तरह से ईसा^(अ.स) ने अल्लाह ताअला पर यकीन किया ताकि वो उनका खयाल रखें,] उसी तरह से, शादीशुदा औरतों को अपने शौहरों के इख्तियार को कुबूल करना चाहिए। ताकि अगर उनमें से कोई अल्लाह ताअला के कलाम पर यकीन न रखता हो, तो उनकी बीवियाँ अपने अच्छे मिजाज से बिना बहस करे उनको राजी कर लें।⁽¹⁾ जब तुम्हारे शौहर तुमको इज़्जत और पाकीज़गी से ज़िंदगी बसर करते देखेंगे तो, वो अल्लाह ताअला के कलाम पर यकीन करना शुरू कर देंगे।⁽²⁾

तुम्हारी खूबसूरती बाहरी सजावट से नहीं होनी चाहिए, जैसे बालों का दिखावटी जूड़ा, या कीमती जेवर और महँगे कपड़े।⁽³⁾ इसके बजाए तुम्हारी खूबसूरती अंदर से आनी चाहिए, तुम्हारे दिल से। एक सुकून और नर्मदिल रूह की खूबसूरती वक़्त के साथ कम नहीं होती और वो अल्लाह रब्बुल आलमीन की नज़र में बेशकीमती है।⁽⁴⁾ नेक औरतें अपने आपको ऐसे ही खूबसूरत बनाती हैं। उन्होंने अल्लाह ताअला पर पूरा भरोसा किया और अपने शौहरों के इख्तियार को कुबूल किया।⁽⁵⁾ जनाब इब्राहीम^(अ.स) कि बीवी, बीबी सारह, ने अपने शौहर का कहना माना। तो अगर तुम वो काम करो जो सही है और डरना छोड़ दो तो उनकी बेटियाँ कि तरह हो जाओगी।⁽⁶⁾

इसी तरह से, शादी शुदा आदमियों को भी अपनी बीवियों के साथ रहमदिली और समझदारी से ज़िंदगी गुजारनी चाहिए। तुम्हारे मुकाबले तुम्हारी बीवियाँ नाज़ुक हैं, तो तुम उनसे नरमी से पेश आया करो। वो तुम्हारी हमसफ़र हैं और अल्लाह ताअला ने उनको भी तुम्हारी तरह बरकत बख़शी है, जो एक नई ज़िंदगी का तोहफ़ा है। उसको उसी तरह से इज़्जत दो ताकि तुम्हारी दुआ में कोई रुकावट ना आए।⁽⁷⁾

आखिर में एक बात और सुनो, तुम सब एक दूसरे के साथ सुकून से रहो। एक दूसरे की बात को प्यार से सुनो। एक दूसरे के साथ मुहब्बत से पेश आओ। दूसरे लोगों के साथ नर्मी और रहमदिली से पेश आओ।⁽⁸⁾ बुराई का बदला बुराई से न दो, या अपनी बेइज़्जती का बदला दूसरे की बेइज़्जती कर के ना लो। इसके बजाए तुम उनको सलामती की दुआ दो। अल्लाह रब्बुल अज़ीम ने तुमको इसी काम के लिए भेजा है। अगर तुम इस काम को अंजाम दोगे तो वो तुमको वादे के मुताबिक बरकत देगा।⁽⁹⁾ जैसे कलाम में कहा गया है:

“अगर तुमको खुशहाल ज़िंदगी और अच्छे दिन चाहिए,

तो अपनी ज़बान को बुरी बात बोलने से रोको,

और अपने होठों को झूट बोलने से रोको।⁽¹⁰⁾

बुराई से मुह मोड़ लो और नेक अमल अंजाम दो।

दिल लगा कर काम करो और दूसरों के साथ सुकून से रहो।⁽¹¹⁾

परवरदिगार अच्छे काम करने वालों का ही खयाल रखता है,

और उनकी दुआओं को कुबूल करता है।

लेकिन वो बुरे काम करने वालों के खिलाफ़ हो जाता है।”⁽¹²⁾ [a]

[a] ज़बूर 34:12-16